कृषि विज्ञान केंद्र, दिल्ली

(राष्ट्रीय वागवानी अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान)

उजवा, नई दिल्ली - 110 073

फोन नंबर: 9667971155, वेबसाइट: www.kvkdelhi.org

मौसम पूर्वानुमान (25 दिसंबर से 29 दिसंबर 2021)

क्रमांक: KVK/DEL/GKMS/1221/G **बुलेटिन संख्या:** 07 **दिनांक:** 24-12-2021

कृषि विज्ञान केंद्र, दिल्ली में स्थित मध्यम कालिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र को भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिणी-पश्चिमी दिल्ली जिला एव आस-पास के क्षेत्रो में निम्नानुसार मौसम रहने की सम्भावना है:-

दिनांक ⟶ / कारक ↓		25 दिसंबर (शनिवार)	26 दिसंबर (रविवार)	27 दिसंबर (सोमवार)	28 दिसंबर (मंगलवार)	29 दिसंबर (बुधवार)
तापमान (°सेल्सियस)	अधिकतम	22.6	22.6	21.8	22.4	17.4
	न्यूनतम	08.2	08.9	08.3	09.0	05.3
आर्द्रता (%)	अधिकतम	49	49	52	44	80
	न्यूनतम	29	31	33	29	40
हवा की गति (कि.मी./घंटा)		06.0	04.0	05.0	06.0	12.0
पवन की दिशा		पूर्व-दक्षिण पूर्व	पूर्व-दक्षिण पूर्व	उत्तर-उत्तर पूर्व	पूर्व-उत्तर पूर्व	पूर्व-उत्तर पूर्व
बादलों की स्थिति		शून्य	सामान्य	औसत	घने	घने
वर्षा (मि.मी.)		0.0	0.0	0.0	0.0	14.0

लघु संदेश

- आने वाले 5 दिन क्षेत्र में बादल छाये रहने और 29 दिसंबर को बारिश की संभावना है, साथ ही निरंतर तापमान में गिरावट व इसके अतिरिक्त, अलग-अलग स्थान पर सुबह के समय हल्के कोहरे/धुएं की संभावना देखी जा सकती है।
- आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट को देखते हुए शीतलहर व पाले की संभावना है अतः किसान भाई फसलो व पशुओं का ध्यान रखें व विशेषज्ञों द्वारा बताएं गयें उपायों को अपनाएँ।
- बारिश की संभावना को देखते हुए सिंचाई व फसलों पर रासायनिक अनुप्रयोग का उपयोग न करने की सलाह है ।

शीतलहर व पाले से बचाव हेतु महत्वपूर्ण सलाह

1. फसलो के बचाव हेतु:-

- ❖ सिंचाई जल की उपलब्धता होने पर हल्की सिंचाई करें एंव फव्वारा विधि से सिचाई करना अधिक लाभदायक होता है।
- ❖ फसलों की पाले से पत्तियां सुखने की स्थिति में दोपहर के समय गंधक के तेजाब का 0.1% के घोल का छिड़काव करें। इस हेतु 1 लीटर गंधक के तेजाब को 1000 लीटर पानी में घोलकर एक हेक्टेयर क्षेत्र में स्प्रियर से छिड़काव करें। शीतलहर व पाले की संभावना बनी रहने पर 15 दिन के अंतराल पर यह स्प्रे दोहराए।
- ❖ फलों एवं सब्जियों में फूल आने से पहले 0.03% साइकोसेल का छिड़काव कर सकते हैं।
- ❖ थायो यूरिया 50 ग्राम 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर सकते हैं और 15 दिन के बाद दोहरा सकते हैं।
- ❖ पौधशाला व बागवानी पौधों को टाट, पॉलिथीन अथवा भूसे से ढक दें।
- ❖ पाला पड़ने की संभावना वाले दिनों में मिट्टी की बुनाई या जुताई नहीं करनी चाहिए क्योंकि ऐसा करने से मिट्टी का तापमान कम हो जाता है।

2. पशुओं के बचाव हेतु:-

- ❖ रात के समय पशुओं को सेट के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए सुखा बिछावन प्रदान करें।
- ❖ ठंड में पशुओं के तापमान को नियंत्रित करने के लिए दैनिक राशन में 10% से 20% तक गेहूं के दाने व गुड़ इत्यादि अवश्य दे।
- ❖ पोल्ट्री मुर्गी सेठ में कृत्रिम प्रकाश व हीटर की सहायता से तापमान बनाए रखें।

(क) फसल विशिष्ट सलाह

फसल	विवरण
गेंहू	❖ मौसम को देखते हुए गेहूं में चौड़ी व सकरी पत्ती वाले खरपतवारो के नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फ्यूरॉन + मेटसल्फ्यूरोन के टैंक मिश्रण का 36 ग्राम प्रति हेक्टर की दर 25 से 30 दिन की फसल पर प्रयोग करें । ❖ जीरो टिलेज (सुपर सीडर व हैप्पी सीडर) द्वारा बोई गई गेहूं की फसल में दीमक के प्रकोप से बचाने हेतु समय-समय पर निगरानी करते रहे, जिन खेतों में दीमक का प्रकोप दिखाई दे उनमे क्लोरपाईरिफॉस (20 ईसी) @ 5 लीटर प्रति हेक्टर की दर से पलेवा के साथ दें। ❖ मौसम को देखते हुए गेहूं की 40 से 50 दिन की फसल में दूसरी सिंचाई के बाद 70-80 किलोग्राम यूरिया प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें ।
सरसों	❖ औसत तापमान में कमी को मध्यनजर रखते हुए सरसों की फसल में सफ़ेद रतुआ रोग की नियमित रूप से निगरानी करें। ।

फसल	विवरण
	❖ सरसों की फसल में चेपा कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। अधिक कीट पाये जाने पर इमिडाक्लोप्रिड़ @ 0.25 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव आसमान साफ़ होने पर करें।
चना	❖ चने की फसल में फली छेदक कीट के निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 8-10 प्रपंश प्रति हेक्टर उन खेतों में लगाएं जहां पौधों में 10-15% फूल खिल गये हों, इसके अतिरिक्त "T" अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न जगहों पर लगाए।
मटर	❖ मौसम साफ होने पर मटर की फसल पर 2 % यूरिया के घोल का छिड़काव करें। जिससे मटर की फल्लियों की सख्याँ में बढोतरी होती है।

(ख) बागवानी विशिष्ट सलाह

बागवानी	विवरण
आलू	❖ हवा में अधिक नमी के कारण आलू तथा टमाटर में झूलसा रोग आने की संभावना है अतः फसल की नियमित रूप से निगरानी करें। लक्षण दिखाई देने पर कार्बेंडिजम 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या डाईथेनएम-45 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
टमाटर, मिर्च, बैंगन व गोभी	❖ यह मौसम ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। ❖ टमाटर, हरी मिर्च, बैंगन व गोभी (ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी) आदि की पौध को ऊथली क्यारियों या मेंड़ों पर रोपाई करें। ❖ तैयार पौध के लिए किसान भाई के.वि.के., दिल्ली में संपर्क करे । ❖ रोपाई हमेशा शाम के समय करें। ❖ शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए, गोभीवर्गीय सब्जियों में पत्ती खाने वाले कीटों की निरंतर निगरानी करते रहें यदि सख्याँ अधिक हो तो बी. टी.@ 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या स्पेनोसेड दवा @ 1.0 एम.एल./3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। ❖ गोभीवर्गीय फसल में हीरा पीठ इल्ली (DBM), मटर में फली छेदक तथा टमाटर में फल छेदक की निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 8-10 प्रपंश प्रति हेक्टर खेतों में लगाएं।
प्याज	❖ इस मौसम में प्याज की समय से बोयी गई फसल में थ्रिप्स के आक्रमण की निरंतर निगरानी करते रहें।

बागवानी	विवरण
	❖ प्याज में परपल ब्लोस रोग की निगरानी करते रहें। रोग के लक्षण पाये जाने पर डाएथेन-एम-45 @ 3 ग्रा./ली. पानी किसी चिपकने वाले पदार्थ जैसे टीपोल आदि(1 ग्रा. प्रति एक लीटर घोल) में मिलाकर छिड़काव आसमान साफ़ होने पर करें।
पत्तेदार सब्जियाँ	❖ पालक, धनिया और मेथी जैसी फसलों को पहली कटाई के बाद उथली गुड़ाई करें और 25 किग्रा/हेक्टेयर की दर से यूरिया लगाएं।
कद्दू वर्गीय	❖ कद्दू वर्गीय सब्जियों की अगेती फसल की पौध तैयार करने के लिए बीजों को छोटी पालीथीन के थेलों में भर कर खाली घरों में रखें।
आम	❖ इस मौसम में मिलीबग के बच्चे जमीन से निकलकर आम के तनों पर चढ़ेगें, इसको रोकने हेतु किसान जमीन से 5 मीटर की ऊंचाई पर आम के तने के चारों तरफ 25 से 30 से.मी. चौड़ी अल्काथीन की पट्टी लपेटे। तने के आस-पास की मिट्टी की खुदाई करें जिससे उनके अंडे नष्ट हो जायेंगे।
गेंदा	❖ आर्द्रता के अधिक रहने की सम्भावना को ध्यान में रखते हूए किसानों को सलाह है कि वे अपनी गेंदे की फसल में पूष्प सड़न रोग के आक्रमण की निगरानी करते रहें।
मशरूम	❖ मशरूम उत्पादन के लिए फसल कमरे में 85%-90% आर्द्रता और 16 ^{0}C से 18 ^{0}C तापमान बनाए रखें । ❖ फसल कमरा में उचित वेंटिलेशन प्रदान करें और आसपास उचित स्वच्छ परिस्थितियों को बनाए रखें। ❖ अन्य प्रतियोगी मोल्ड से बचने हेतु क्लोरोथेलोनिल @ 0.05% का स्प्रे करें।

(ग) पशुपालन विशिष्ट सलाह

विवरण
1. डेरी पशु ❖ पशुओं को इस सर्दी के मौसम में हरी दलहनी फसलें जैसे बरसीम, लहसुन और जई आदि दें । ❖ पशुओं की पानी की खेल में 15 दिन में एक बार चुने की पुताई अवश्य करें ताकि पशुओं में होने वाली कैल्शियम की कमी की पूर्ति हो सके व साथ ही इससे पशुओं पर लगने वाले बाह्य परजीवीयों से भी सुरक्षा मिलती है ।

विवरण

- इस मौसम में पशुओं के आहार में नमक या खनिज मिश्रण को उचित अनुपात में मिलाएं ।
- जिन पशुओं को चावल का भूसा खिलाया जाता है उनको चारे के साथ कैल्शियम @ 20-50 मिली भी दें क्योंकि चावल का भूसा खाने से पशुओं के खून में कैल्शियम की कमी हो जाती है जिससे पशुओं में कमजोरी के साथ दूध की मात्रा में भी कमी हो जाती है।
- दुधारू पशुओं में होने वाले थनैला रोग की रोकथाम के लिए समय-समय पर पशुओं की निगरानी करते रहें व रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशु विशेषज्ञ की सलाह ले ।

2. मुर्गी पालन

- मौसम को देखते हुए, पोल्ट्री हाउसों में अच्छी रोशनी और गर्मी की व्यवस्था करें, पोल्ट्री हाउस में 37 °C के आस-पास तापमान को बनाए रखे।
- संक्रामक बर्सल रोग (आईबीडी) और गम्बू रोग के खिलाफ चूजों को टीका लगाएं।

3. मधुमक्खी पालन

- मधुमक्खियों में लगने वाले माइट्स के बचाव हेतु 1 ग्राम अजवाइनसत की पोटली बनाकर प्रति बॉक्स एक पोटली रखें या 10-15 दिन के अंतराल पर सल्फर चूर्ण का छिड़काव चौखट की लकड़ी पर व प्रवेश द्वार पर करें।

सामान्य सलाह

- कोविड़-19 के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि कृषि कार्यों के दौरान भारत सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये दिशा निर्देशों जैसे- व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, समय- समय पर साबुन से हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखे आदि।
- किसान भाई मौसम सम्बन्धी जानकारी निम्न मोबाइल एप्प के मध्यम से भी ले सकते है:-

1. मेघदूत मोबाइल एप्प:-

मौसम संबंधी कृषि सलाह के लिए अपने मोबाइल पर मेघदूत एप्प डाउनलोड करें। (https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot)

2. दामिनी मोबाइल एप्प:-

आसमानी बिजली गिरने के दुष्प्रभावों से बचने के लिए दामिनी एप्प को डाउनलोड करें। यह एप्प बिजली गिरने की समय से पूर्व सूचना देने के साथ ही बचाव की जानकारी भी देता है। (https://play.google.com/store/apps/details id=com.lightening.live.damini)

3. मौसम मोबाइल एप्प:-

स्थान विशेष के पूर्वानुमान के लिए मौसम एप्प डाउनलोड करें। (https://play.google.com/store/apps/details?id=com.imd.masuam)

डॉ. पी. के. गुप्ता
प्रमुख, के.वि.के., दिल्ली